

वितरण एजेंसियों की वर्तमान व्यवस्था का पुनर्वहन किया जावेगा।

(क) सरकार द्वारा सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों को भेजी गई मार्ग-दर्शी रूप रेखाओं के अनुसार वितरण एजेंसियां निम्नलिखित रूप से दी जाती हैं :—

(i) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों से संबंधित व्यक्तियों को 25% ;

(ii) शारीरिक रूप से अग्रंग व्यक्तियों को 2 % , और

(iii) बाकी एजेंसियां वाणिज्यिक विचारधाराओं के आधार पर, इनमें से भी सही उपभोक्ता सहकारी सोसायटियों तथा कृषि उद्योग निगमों को तरजीह दी जाती हैं।

गोरखपुर के विभागीय कर्मचारियों द्वारा गैर-अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण एसोसिएशन बनाया जाना

*848. श्री राम लाल राहो : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या उनको पता है कि पूर्वोत्तर रेलवे में गोरखपुर के विभागीय कर्मचारियों ने गैर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण एसोसिएशन नामक एक संगठन बनाया है , और

(ख) यदि हा, तो उसके उद्देश्य क्या हैं तथा क्या इस एसोसिएशन के बनने से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित कोटे में बाधा आई है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) जी हां।

(ख) पम्पलेट की एक प्रतिलिपि तथा पटल पर रब दी गयी है, [कल्याण में रखी गई। देखिये संख्या एल०टी० 2186/78] जिसमें एसोसिएशन के उद्देश्य बताने किये हैं। इस एसोसिएशन के बन जाने से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों के हितों में किसी प्रकार की बाधा नहीं पड़ी है क्योंकि सरकार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को तरजीह देने की नीति के प्रति पूरी तरह बचनबद्ध है।

Railway lines in border region

*851. SHRI MOHINDER SINGH SAYIAN WALA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there are plans to lay railway lines in any of the areas especially in the border regions in view of defence and trade requirements during the current year;

(b) if so, where and the length of the line; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) to (c). Construction of new railway lines on strategic considerations is done on the request of the Ministry of Defence. No such project is in hand at present.

Construction of new lines for international trade is possible with the cooperation of the neighbouring countries. Railway lines already exist between India and Pakistan at Atari/Wagah and between India and Bangla Desh at Amkura|Singhbad|Radhakapur|Parbatipur|New Gitaldha|Lalmanihat | Mahisawan | Kalaura|Bangaon|Benapole|Ranaghat|Darshans. Trade between India and Nepal is carried out from the rail heads at Rexaul, Jayanagar and Jogbani on the Indian side of Nepal border. No